

उंची उड़ान

प्रतिध्वनि फिर मीडिया की सुर्खियों में..

भारतीय मीडिया के दिल की धड़कन प्रतिध्वनि पत्रिका समाचार पत्रों के पन्नों पर रोशन हुई।

प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका बुलंदी के शिखर पर।

अहमदाबाद से प्रकाशित आईश्री पब्लिकेशन की प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका देश-विदेश में लाखों पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी है। NRI बिजनेसमेन परेश मुलाणी द्वारा संपादित इस मासिक पत्रिका ने वैश्विक स्तर पर अपना स्थान बना लिया है।

प्रति माह गुजराती, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका ने विक्रमी सेलिंग करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

अल्प समय में अपना लक्ष्य सिद्ध करते हुए "प्रतिध्वनि" की महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीयमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, संत महात्माओं, कई उद्योगपतियों, और फिल्मी सितारों जैसे अनेक सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक तथा राजकीय नेताओं एवं देश-परदेश के नागरिकों की सराहना से यह पत्रिका अपनी बुलंदी के शिखर पर पहुंच गई है। NRI पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी इस राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका विदेश में कई बार सम्मानित की गई है, और इस पत्रिका के ब्रान्ड एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी प्रभावशाली वाणी से देश विदेश में क्वालिटी लाइफ पर अनेक व्याख्यान देकर श्रोताओं को अपनी ओर आकर्षित करतें हैं।

प्रतिध्वनि के संपादक एवं चेयरमेन परेश मुलाणी की यह मासिक पत्रिका सरल और सहज शैली में प्रकाशित की जाती है। यह आपके अंदर की उत्कृष्टता को उभारने के वायदे पर भी खरी उतरती है। यह सुचना संपेषित करनेवाली अत्यंत प्रभावपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है। यह पत्रिका उन सभी के लिये है जो अपना पारिवारिक और व्यवसायिक जीवन सुखी और सफल बनाना चाहते हैं। यह चरित्र निर्माण में भी सहायक है। कहीं भी, किसी भी समय, किसी भी उम्र, किसी भी व्यवसाय में सभी के लिये आवश्यक है। यह सभी को पढनी चाहिए। आत्मवलोकन के लिए एक मील का पथर। सफलता प्राप्त करने के लिए यह सरल, किन्तु अत्यंत प्रभावपूर्ण मासिक पत्रिका है।

The Asian Age, Hindu, उंगलीडर, अत्पविशम, हेराल्ड, जनहितैषी, लोकसत्ता, परसत्ता, समभाव मेट्रो, गुजरात टुडे, वेस्टर्न टाइम्स, आषकाव, राडिका, लोकमित्र, रभेवाण, गुजरात शताब्दि, आकाश, स्टेट अक्सप्रेस, डेपिटल कांति, सूर्यकाल, धारा.



प्रतिध्वनि मेगेजील प्रगति
अहमदाबाद, सोमवार
देशनुं अनेक अग्रगण्य पब्लिकेशन अने अनेक अत्यंत प्रतिभाशील मीडिया एजेंसी पब्लिकेशन अनेकविध क्षेत्रों में सक्रिय छे अने सफलतां हासिल करी रहल छे, परंतु तेनुं मुख्य क्षेत्र रहल छे मेगेजील प्रकाशन, जेभां आछे प्रतिध्वनि वैश्विक स्तरि विस्तारी रहल छे।
प्रतिध्वनि विश्वभरमां देवावो परावतं सुश्रुतानुं अनेकभंग मेगेजील छे। प्रतिध्वनि-रुद्रावतं वरि आशरी ६ वर्ष पछेबा, आशेते बापुवो वाचकोनुं बाडीनुं बनी चुक्युं छे। वाचक मेगेजील-नो आत्मा छे, तो कर्मचारी संस्था-नो आत्मा छे। प्रतिध्वनि ते-नो कर्मचारी भय अने नेटवर्किंग-नी ब्रिजेमे पर अत्यंत समृद्ध

प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका बुलंदी
अहमदाबाद, 17 फरवरी (बुधवार)। एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी रूप अहमदाबाद से प्रकाशित आईश्री प्रभावशाली वाणी से देश-विदेश में लोकप्रिय बन चुकी है। NRI बिजनेसमेन परेश मुलाणी द्वारा संपादित इस मासिक पत्रिका ने वैश्विक स्तर पर अपना स्थान बना लिया है। प्रति माह गुजराती, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होनेवाली इस पत्रिका ने विक्रमी सेलिंग करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अल्प समय में अपना लक्ष्य सिद्ध करते हुए प्रतिध्वनि को महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीयमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, संत महात्माओं, कई उद्योगपतियों, और फिल्मी सितारों जैसे अनेक सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक तथा राजकीय नेताओं एवं देश-परदेश के नागरिकों की सराहना से यह पत्रिका अपनी बुलंदी के शिखर पर पहुंच गई है। NRI पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी इस राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका विदेश में कई बार सम्मानित की गई है, और इस पत्रिका के ब्रान्ड एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी प्रभावशाली वाणी से देश विदेश में क्वालिटी लाइफ पर अनेक व्याख्यान देकर श्रोताओं को अपनी ओर आकर्षित करतें हैं।

प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका देश-विदेशमां लामो वाचकोनी लोकप्रिय अनी
अहमदाबाद, १७ फरवरी (बुधवार)। एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी रूप अहमदाबाद से प्रकाशित आईश्री प्रभावशाली वाणी से देश-विदेश में लोकप्रिय बन चुकी है। NRI बिजनेसमेन परेश मुलाणी द्वारा संपादित इस मासिक पत्रिका ने वैश्विक स्तर पर अपना स्थान बना लिया है। प्रति माह गुजराती, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होनेवाली इस पत्रिका ने विक्रमी सेलिंग करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अल्प समय में अपना लक्ष्य सिद्ध करते हुए प्रतिध्वनि को महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीयमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, संत महात्माओं, कई उद्योगपतियों, और फिल्मी सितारों जैसे अनेक सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक तथा राजकीय नेताओं एवं देश-परदेश के नागरिकों की सराहना से यह पत्रिका अपनी बुलंदी के शिखर पर पहुंच गई है। NRI पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी इस राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका विदेश में कई बार सम्मानित की गई है, और इस पत्रिका के ब्रान्ड एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी प्रभावशाली वाणी से देश विदेश में क्वालिटी लाइफ पर अनेक व्याख्यान देकर श्रोताओं को अपनी ओर आकर्षित करतें हैं।

प्रति ध्वनि मासिक पत्रिका बुलंदी के शिखर पर
अहमदाबाद से प्रकाशित आईश्री पब्लिकेशन की प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका देश-विदेश में लाखों पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी है। NRI बिजनेसमेन परेश मुलाणी द्वारा संपादित इस मासिक पत्रिका ने वैश्विक स्तर पर अपना स्थान बना लिया है। प्रति माह गुजराती, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका ने विक्रमी सेलिंग करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अल्प समय में अपना लक्ष्य सिद्ध करते हुए प्रतिध्वनि को महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीयमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, संत महात्माओं, कई उद्योगपतियों, और फिल्मी सितारों जैसे अनेक सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक तथा राजकीय नेताओं एवं देश-परदेश के नागरिकों की सराहना से यह पत्रिका अपनी बुलंदी के शिखर पर पहुंच गई है। NRI पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी इस राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका विदेश में कई बार सम्मानित की गई है, और इस पत्रिका के ब्रान्ड एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी प्रभावशाली वाणी से देश विदेश में क्वालिटी लाइफ पर अनेक व्याख्यान देकर श्रोताओं को अपनी ओर आकर्षित करतें हैं।



सितारारो हेवा अनेक सभासक, पार्षद, व्यवसायिक प्रतिध्वनि-ना शिपरो पार करी रहल छे। अनेक पत्रिका विदेशमां लामो वाचकोनी लोकप्रिय अनी प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका द्वारा संपादित आ वैश्विक स्तर पर पोतानुं स्थापित कर्यो छे। दश मभिन सुश्रुतारी, अनेकभंग प्रकाशित यती विक्रमजनक वेंशाष दारा नवे स्थापित कर्यो छे। दश मभिन सिद्ध करती प्रतिध्वनि राष्ट्र केन्द्रमन्त्री, मुख्यमन्त्री, मन्दाता, उद्योगपति



The Quality Life के प्रणेता
विश्व संत श्री ऋषिजी
क्रांति धर्मी क्यों ?



ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतिकारी विचारों के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की ओर उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद

पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनों में सामंजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा। आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिये जरूरत है एक विशेष आग की। वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर रख कर दे, अब वर्षों बाद राष्ट्र को अप्रीतम संत श्रीऋषिजी की शकल में वह आग मिली है। जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था, तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारों से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मी अग्नि पुरुष ने एक लम्बा सफर तय किया है। आज यह अग्नि शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्ठा पर है और जन-जन के मन मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक ऐसे संत हैं, जिन्होंने अपने शब्द बाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंग छोड़ी हैं। उन तरंगों ने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होंने लाखों लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है।

अंधकार में राह से भटके लोगों को निद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजी ने धर्म और समाज की चहुंमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक ऐसे कार्य किये हैं जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे हैं। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड-खंड करके रख दिया है। विश्वसंत के चिंतन में जहां एक और वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वहीं दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये हैं, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिये ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यकता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिये हमें ऐसे ही संत चाहिए। ऋषिजी भारत और विश्व के विभिन्न प्रान्तों में क्वालिटी लाईफ एवं गुणवत्तामय जीवन पर प्रवचन देते हैं। उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारों लोगों का जीवन परिवर्तित हुआ है।

➤ ऋषि के प्रवचन की ओडियो कैसेट, विडियो सीडी तथा साहित्य और अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क: 9327064198, 9824074690
www.rushiworld.org, Email: rushi@rushiworld.org

प्रतिध्वनि

THE VOICE OF INDIA

A NATIONAL & INTERNATIONAL MAGAZINE

MONTHLY

प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका बुलंदी के शिखर पर।

आईश्री पब्लिकेशन की प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका देश-विदेश में लाखों पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी है। NRI परेश मुलाणी द्वारा संपादित इस मासिक पत्रिका ने वैश्विक स्तर पर अपना स्थान बना लिया है।

प्रति माह गुजराती, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका ने विक्रमी सेलिंग करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अल्प समय में अपना लक्ष्यांक सिद्ध करते हुए "प्रतिध्वनि" की महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीयमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, संत महात्माओं, कई उद्योगपतियों और फिल्मी सितारों जैसे अनेक सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक तथा राजकीय नेताओं एवं देश-परदेश के नागरिकों की सरहना से यह पत्रिका अपनी बुलंदी के शिखर पर पहुंच गई है। NRI पाठकों में लोकप्रिय बन चुकी इस राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका विदेश में कई बार सम्मानित की गई है, और इस पत्रिका के ब्रान्ड एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी प्रभावशाली वाणी से देश विदेश में "ध क्वालिटी लाईफ" पर अनेक व्याख्यान देकर श्रोताओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। प्रतिध्वनि के संपादक एवं चेयरमैन परेश मुलाणी की यह मासिक पत्रिका सरल और सहज शैली में प्रकाशित की जाती है।

यह आपके अंदर ही उत्कृष्टता को उभारने के वायदे पर भी खरी उतरती है। यह सुचना संपेषित करनेवाली अत्यंत प्रभावपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है। यह पत्रिका उन सभी के लिये है जो अपना पारिवारिक और व्यवसायिक जीवन सुखी और सफल बनाना चाहते हैं। यह चरित्र निर्माण में भी सहायक है। कहीं भी, किसी भी समय, किसी भी उम्र, किसी भी व्यवसाय में सभी के लिये आवश्यक है। यह सभी को पढ़नी चाहिए। आत्मवलोकेन के लिए एक मील का पत्थर। सफलता प्राप्त करने के लिए यह सरल, किन्तु अत्यंत प्रभावपूर्ण मासिक पत्रिका है। प्रतिध्वनि ने अल्प समय में प्राप्त की कार्य सिद्धि एक विक्रमी रेकार्ड है।



आईश्री पब्लिकेशन

देशनु अग्रगण्य पब्लिकेशन अने अेक अत्यंत शक्तिशापी मीडिया डाउस बनवानी विचार दृष्टि धरावतुं आईश्री पब्लिकेशन अनेकविध क्षेत्रोमां सकिये छे अने सङ्गता डांसल करी रहलुं छे, परंतु तेनुं मुष्य क्षेत्र रहलुं छे प्रकाशन, जेमां आजे प्रतिध्वनि वैश्विक स्तरे विस्तरी रहलुं छे.

मीडिया डिजनेश

प्रतिध्वनि विश्वभरमां इलावो धरावतुं गुजरातनुं अेक मात्र मेगेजीन छे. प्रतिध्वनिनी शङ्गात थई आजथी 10 वर्ष पडेला, आजे ते लाप्पो वायकोनुं लाडीलुं बनी युक्तुं छे.

अपूट शक्ति

वायक मेगेजीननो आत्मा छे, तो कर्मचारी संस्थानो आत्मा छे. प्रतिध्वनि तेना कर्मचारी बण अने नेटवर्किंगनी द्रष्टिअे पश अत्यंत समृद्ध छे.

ऐतिहासिक सङ्गता

प्रतिध्वनि माटे सङ्गता अेक निरंतर चालती प्रडिया छे, परंतु तेमां पश अमुक घटनाओ अत्यंत विरल छे. प्रतिध्वनिनी जे रीते शङ्गात थई, ते मीडिया जगतनां ईतिहासमां सुवर्ण घटना लेपाशे. मात्र 10 वर्षमां मेगेजीननुं विक्रमी वेचाश वधारी वैश्विक स्तरे दरज्जो प्राप्त कथीं छे.

૯ વરસની સર્યાઈ



9th Year Celebration



1 ત્રાસવાદ : ત્રાસવાદ નામનો કાળીનાગ ગુજરાત પર ફેશ હલાવીને બેઠો હતો. ગુજરાતની જનતાએ ખભેખભા મિલાવીને આ ત્રાસવાદને જાકારો આપ્યો છે. ત્રાસવાદનો સામનો પ્રત્યક્ષ અને પરોક્ષ રીતે કરનારાઓની સાથે પ્રતિધ્વનિ પણ રહ્યું છે.

2 હિંસા : ગુજરાતે ઘણા તોફાનો જોયા છે. ગુજરાતનો ઔદ્યોગિક વિકાસ તોફાનોને કારણે વારંવાર અટક્યો છે. હિંસા રોકવા અહિંસાનો માર્ગ પકડાય છે. સૌને ન્યાય મળે એ માટે સત્તાવાળાઓએ લીધેલા પગલા અમે બિરદાવ્યા છે. હિંસાનાં અગનખેલ પાછળનાં ખેલાડીઓને અમે ખુલ્લા પાડી સત્તાવાળાની કાનપટ્ટી પકડી છે.



3 રાજકારણ : ગુજરાતનું રાજકારણ ઉછળફૂદની ઇમેજ ધરાવે છે. અંદરો અંદરની હુંસાતુંશીએ કેટલાય માથા તાજ વિનાના બનાવી દીધાં છે. આડા માર્ગે અને પ્રજા માંગણીઓની ઇચ્છા વિરુદ્ધ ચાલતી સરકારને અમે હંમેશા ટોકી છે - રોકી છે અને તેમને સાચો માર્ગ બતાવ્યો છે.

4 ઉદ્યોગ : લાખો લોકોને રોજી આપતું ઉદ્યોગ સેક્ટર વધુને વધુ મજબૂત બને તે દિશામાં અમારા પ્રયાસો રહ્યાં છે. ઔદ્યોગિક વિકાસની સાથે અમે હંમેશા કદમ મિલાવ્યા છે.



રાજકારણની શેઠ શરમ અમે ક્યારેય રાખી નથી, કારણ કે અમે સત્યને માર્ગે જ ચાલવામાં માનીએ છીએ.

5 શિક્ષણ : ગુજરાતનો વિદ્યાર્થી ઉચ્ચ શિક્ષણ મેળવે, કોમ્પ્યુટર ક્ષેત્રે ગુજરાતનો ડંકો વાગે અને ગુજરાતનું યુવાધન ગુજરાતમાં જ શિક્ષણ મેળવી શકે એવા અમારા પ્રયાસો રહ્યાં છે. ગુજરાતનું શિક્ષણ વધુને વધુ સમૃદ્ધ બને એ દિશામાં અમે આગળ વધી રહ્યાં છીએ.



6 ધર્મ : ધર્મ એ કોઈની જાગીર નથી. અમે તમામ ધર્મને એક સાખીને, એક સમજીને ચાલીએ છીએ. કોઈ ધર્મ સારો કે ખરાબ નથી. ધર્મ અંગેની મર્યાદાઓ અમે સમજીએ છીએ. ધર્મના નામે ધર્તીંગ કરનારાઓ અને ધર્મના નામે અંગત ખીચડી પકવનારાઓને અમે ખુલ્લા પાડ્યાં છે. માનવ ધર્મ જ સૌથી મોટો ધર્મ છે. અમે આ વાતને પાળી છે, પોષી છે, તેમાં શ્રદ્ધાનું સિંચન કર્યું છે.



7 રવાદ : ગુજરાતની જનતાને શું ભાવે છે અને શું નથી ભાવતું તે અમે એટલા માટે સારી રીતે જાણીએ છીએ કે અમે તેમને છેલ્લા ૯ વર્ષથી દર મહિને તેમની પસંદગીનો ખાસ વિષય આપીએ છીએ. અમે ઘેર-ઘેર પહોંચ્યા છીએ, કારણ કે અમને વાચકાનાં ટેસ્ટ ખબર છે. ઘણાં લોકો આવ્યા અને ગયા પણ વાચકોને ગમતાં ટેસ્ટની નાડ અમે પારખી શક્યા છીએ.



8 ખજાનો : અમે દર મહિને વાચકોને તેમની પસંદગીનો વિશેષ ખજાનો આપીએ છીએ. વાચકોની જ્ઞાન બેંક માટે આ ખજાનો યુનૈદા લેખકો દ્વારા તૈયાર કરવામાં આવે છે. એકવાર આ ખજાનો જોનાર અન્ય ક્યાંય ડોકિયું કરતો નથી.



9 અમે : અમે નંબર ૧ છીએ એવું કહેવાથી નથી થવાતું. એ માટે સરકયુલેશનનાં આંકડા પર નજર નાખવી જરૂરી છે. પ્રતિધ્વનિ ૯ વરસનાં ટૂંકા ગાળામાં ઓલ ટાઇમ બેસ્ટ એવી ૧ લાખ ૯૦ હજારથી વધુ કોપીઓનું વિક્રમી વેચાણ ધરાવે છે. ગુજરાતનાં વાચકોએ અમને સહર્ષ વધાવી નંબર ૧ નો દરજ્જો આપ્યો છે, અમે એમનાં ઋણી છીએ.



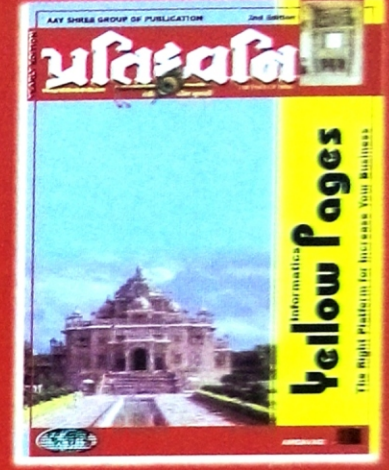
પ્રતિધ્વનિ THE VOICE OF INDIA
A NATIONAL & INTERNATIONAL MAGAZINE
MONTHLY



વધુ જાણકારી માટે અમારી વેબસાઇટ જુઓ અથવા સંપર્ક કરો.
www.pratidhwanindia.com, Tel. : 079-22700803/6119

શું ગ્રાહક તમારી પ્રોડક્ટ અથવા સર્વિસ માટે ટીવી સામે બેસી તમારી જાહેરાતની રાહ જોશે ?
શું ગ્રાહક જરૂરીયાત વખતે છાપું શોધશે અને એ દિવસે તમારી જાહેરાત હશે ?
તો એક દિવસ માટે આટલી મોંઘી જાહેરાત ટીવી અને છાપામાં શા માટે ?

જ્યારે ઉપલબ્ધ છે તમારી જાહેરાતનું પુરેપુરું વળતર મેળવવાનું
અસકારક માધ્યમ



પ્રતિધ્વનિ
THE VOICE OF INDIA
MONTHLY

પ્રતિધ્વનિ
સમય ચક્ર
દિન દર્શિકા
માહિતીપ્રદ પંચાંગ
આવું સંસ્કૃતિને ઉજાગર કરવું સમૂહ

પ્રતિધ્વનિ Informatics
Yellow Pages
The Right Platform for Increase Your Business

વિશેષતા

- પોતીકો ભાષામાં સરળ સ્વરૂપાત
- દર મહિને વર્તમાન સમયને અનુલક્ષીને કોઈ પણ એક વિષય પર માહિતીપ્રદ આલેખન

વિતરણ

- ગુજરાત અને મુંબઈ - ૧,૬૦,૦૦૦ પ્રત
- પ્રકાશન તારીખ અને સમય ગાળો
- દર મહિનાની પહેલા - ૧ માસ

વિશેષતા

- વિક્રમ સંવત મુજબ કારતકથી આસો અને ઈસુ સંવત મુજબ જાન્યુઆરીથી ડિસેમ્બર મહિનાને આવરી લેતું સંપૂર્ણ કેલેન્ડર

વિતરણ

- ગુજરાત અને મુંબઈ - ૧,૦૦,૦૦૦ પ્રત
- પ્રકાશન તારીખ અને સમય ગાળો
- દર વરસે આસો મહિનામાં - ૧ વરસ

વિશેષતા

- બે ભાષામાં સરળ સ્વરૂપાત
- સરળતાથી સમજી શકાય તેવું સંપાદન
- ખૂબજ ઉપયોગી, જેથી તમારા ગ્રાહકો તમને શોધી શકે-જ્યારે તેઓ ઈચ્છે ત્યારે

વિતરણ

- અમદાવાદ-૧,૦૦,૦૦૦ પ્રત
- પ્રકાશન તારીખ અને સમય ગાળો
- દર વરસે જાન્યુઆરીમાં - ૧ વરસ

: વધુ વિગત માટે અમારા પ્રતિનિધિનો સંપર્ક કરો :

Tel : 079 - 2700803, 2706119



Published By :
AAY SHREE PUBLICATION

Editor :
PARESH MULANI

उंची उड़ान

प्रतिध्वनि फिर मीडिया की सुर्रिवयो में...

भारतिय मीडिया के दिल की धड़कन प्रतिध्वनि पत्रिका समाचार पत्रो के पन्नो पर रोशन हुई ।



अहमदाबाद से प्रकाशित आईश्री पब्लिकेशन की प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका देश-विदेश में लाखों पाठको में लोकप्रिय बन चुकी है । NRI बिजनेसमेन परेश मुलाणी द्वारा संपादित इस मासिक पत्रिका ने वैश्विक स्तर पर अपना स्थान बना लिया है ।

प्रति माह गुजराती, हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका ने विक्रमी सेलींग करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है ।

अल्प समय में अपना लक्ष्यांक सिद्ध करते हुए "प्रतिध्वनि" की महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीयमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, संत महात्माओं, कई उद्योगपतियों, और फिल्मी सितारों जैसे अनेक सामाजिक, धार्मिक, व्यवसायिक तथा राजकीय नेताओं एवं देश-परदेश के नागरिकों की सराहना से यह पत्रिका अपनी बुलंदी के शिखर पर पहुंच गई है । NRI पाठको में लोकप्रिय बन चुकी इस राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका विदेश में कई बार सम्मानित की गई है, और इस पत्रिका के ब्रान्ड एम्बेसेडर श्री ऋषिजी अपनी प्रभावसाली वाणी से देश विदेश में क्वालिटी लाइफ पर अनेक व्याख्यान देकर श्रोताओ को अपनी ओर आकर्षित करते हैं ।

प्रतिध्वनि मासिक पत्रिका बुलंदी के शिखर पर ।

प्रतिध्वनि के संपादक एवं चेयरमेन परेश मुलाणी की यह मासिक पत्रिका सरल और सहज शैली में प्रकाशित की जाती है । यह आपके अंदर की उत्कृष्टता को उभारने के वायदे पर भी खरी उतरती है । यह सुचना संपेषित करनेवाली अत्यंत प्रभावपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है । यह पत्रिका उन सभी के लिये है जो अपना पारिवारिक और व्यवसायिक जीवन सुखी और सफल बनाना चाहते हैं । यह चरित्र निर्माण में भी सहायक है । कहीं भी, किसी भी समय, किसी भी उम्र, किसी भी व्यवसाय में सभी के लिये आवश्यक है । यह सभी को पढनी चाहिए । आत्मवलोकन के लिए एक मील का पथर । सफलता प्राप्त करने के लिए यह सरल, किन्तु अत्यंत प्रभावपूर्ण मासिक पत्रिका है ।

The Asian Age, Hindu, यंगलीडर, अल्पविराम, हेराल्ड, जनहितैषी, लोकसत्ता
जनसत्ता, समभाव मेट्रो, गुजरात टुडे, वेस्टर्न टाइम्स, आशका, अकिला, लोकमित्र, रभेवाण,
गुजरात शतादि, आकोश, स्टेट ओकस्प्रेस, डेपिटल कांति, सूर्यका, धारा.

प्रतिध्वनि THE VOICE OF INDIA
 A NATIONAL & INTERNATIONAL MAGAZINE
 MONTHLY

अेवोर्डस अने नामनाथीय आगण !

जधा ४ अेवोर्डस अेक कोराणे मूको,
 प्रतिध्वनि माटे मात्र अेक अेवोर्ड छे,
 अने अे छे तमारी आंभोमां आनंदनी यमक.
 अमारुं वयन छे तमारुं स्मित वधु जीलववा
 अमे आनाथीये वधारे परिश्रम करीशुं.
 अमारा माटे आ श्रधधानो करार छे.

प्रतिध्वनि THE VOICE OF INDIA
 SPECIAL ISSUE
 2015
 Mission Change India for Quality Life
 हमारी संस्कृत भारत निर्माण करी सके छे !
 हरारी मजबूत होय तो कौ पल संसय करी सकत छे. नूनपर्ये कौन नुन निर्मित करवाने संसय करीने... Change India Change

प्रतिध्वनि THE VOICE OF INDIA
 A NATIONAL & INTERNATIONAL MAGAZINE
 MONTHLY



प्रतिध्वनि

THE VOICE OF INDIA

THE NATIONAL & INTERNATIONAL MAGAZINE
MONTHLY

श्री संध्या 2007

MOST EXCITING EVENT



The Quality Life



UNIVERSAL MEDIA

PRESENTS



प्रतिध्वनि

2007 Navratri Mahotsav





અતિથિ દેવો ભવ :
 પ્રત્યેક ભારતીય ઘરમાં
 અમારા વાંચકો માટેનો મંત્ર અમને મળ્યો.



એવોર્ડ્સ અને નામનાથીય આગળ !
 પણ બધા જ એવોર્ડ્સ એક કોરાલો મૂકો,
 પ્રતિધ્વનિ માટે માત્ર એક એવોર્ડ છે,
 અને એ છે તમારી આંખોમાં આનંદની ચમક.
 અમારું વચન છે તમારું સ્મિત વધુ ખીલવવા
 અમે આનાથીય વધારે પરિશ્રમ કરીશું.
 અમારા માટે આ શ્રદ્ધાનો કરાર છે.



ઐતિહાસિક સફળતા
 પ્રતિધ્વનિ માટે સફળતા એ એક નિરંતર ચાલતી પ્રક્રિયા છે,
 પરંતુ તેમા પણ અમુક ઘટનાઓ અત્યંત વિરલ છે.
 પ્રતિધ્વનિની જે રીતે શરૂઆત થઇ, તે મિડિયા જગતનાં
 ઇતિહાસમાં સુવર્ણ ઘટના લેખાશે. માત્ર 9 વર્ષમાં 9 લાખ
 વાચકો અને 1 લાખ 90 હજાર નકલોનાં વિતરણ સાથે
 ગુજરાતમાં નંબર 1 નો દરજ્જો પ્રાપ્ત કર્યો છે.



મિડિયા બીઝનેસ
 દર મહિને 9 લાખ વાચકો સાથે, પ્રતિધ્વનિ ગુજરાતનું
 સૌથી વધુ વંચાતુ મેગેઝીન છે. વિશ્વભરમાં ફેલાવો ધરાવતું
 ગુજરાતનું એકમાત્ર મેગેઝીન છે. પ્રતિધ્વનિની શરૂઆત
 થઇ આજ થી 9 વર્ષ પહેલા. આજે તે લાખો વાચકોનું
 લાડીલું બની ચુક્યું છે.



The Courage of Journalism

